12. होनहार बिरवान के होत चिकने पात (महान व्यक्तियों के महानता बचपन से ही दिखाई देने लगती है) - कल्पना चावला का बचपन से ही आसमान कि सैर करने का सपना था। जिसे उसने सच कर दिखाया तभी तो कहा गया है, होनहार बिरवान के होत चिकने पात।

13. सुध लेना (ध्यान देना)- काम पर लगे होने के बावजूद भी मां अपने बच्चों की सुध लेती रहती है।

14. ताकते रह जाना (देखते रह जाना) - इतने बड़े शेर को देखकर देव ताकत ही रह गया।

15. पैरों में पर लगना (बहुत तेज चलना) - हामिद इतना तेज चल रहा था मानो उसके पैरों में पर लग गए हों।

16. दिल बैठ जाना (घबराना)- इतना बड़ा शेर देखकर देव का दिल बैठ गया।

17. राई का पर्वत बनाना (छोटी सी बात को बढ़ा चढ़ाकर कहना)- राई का पर्वत बनाना हो तो कोई मोहन से सीखे।

18. थर थर कांपना (डरना)- इतने बड़े शेर को देख कर देव थर थर कांपने लगा।

19. बाल भी बांका न होना (कुछ भी ना बिगड़ना) - जिसके भगवान रक्षक हों उसका बाल भी बांका नहीं हो सकता।

20. गले मिलना (ख़ुशी जाहिर करना)- सभी ने गले मिलकर ईद की मुबारक दी ।